नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

बंजर भूमि पर उपज समृद्धि का नवाचार

मध्य पदेश सरकार बंजर भूमि पर उपज समृद्धि का नवाचार कर रही है. यह सही दिशा में उठाया गया कदम कहा जाना चाहिए. इसका कारण यह है कि एक ओर जहां बंजर भूमि का उपयोग कृषि उपज के लिए होगा तो दूसरी तरफ राज्य में एक ऐसे क्षेत्र में रोजगार का सृजन होगा, जो परती या अनुपजाऊ भूमि के लिए कुख्यात है, यानी विंध्य, बघेल और बुंदेलखंड अंचल !

दरअसल प्रदेश के मऊगंज जिले की बंजर और ऊसर भूमि, अब किसानों के लिए उपज व समृद्धि का द्वार खोलेगी. जाहिर है इससे विकसित विंध्य का एक नया अध्याय जुड़ेगा. वस्तुत:, इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए प्रदेश सरकार के और देश के एक बड़े निजी आयुर्वेदिक संस्थान के बीच एक एमओयू हस्ताक्षरित हुआ है.बहरहाल, औद्योगिक निवेशक के इस नवाचार का स्वागत किया जाना चाहिए. नवाचार इसलिए कि अनुपयोगी भूमि का रोजगार सृजन के लिए उपयोग की योजना है.मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पिछले दिनों भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में स्पष्ट किया था, कि प्रदेश सरकार की नई औद्योगिक निवेश नीति विकेंद्रीकरण पर आधरित होगी, कहा जा सकता है कि मऊगंज का यह निवेश प्रस्ताव मुख्यमंत्री की उसी महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा प्रतीत होता है.उस समिट में मुख्यमंत्री ने निवेश में विकेंद्रीकरण की नई नीति को स्पष्ट करते हुए, कहा था कि अब से प्रदेश में जिलों की विशेषताओं के आधार पर निवेश के प्रस्ताव स्वीकार किए जाएंगे. यानी खरगोन और खंडवा जैसे जिलों की प्रमुख पैदावार मिर्ची और कपास है, तो प्रदेश सरकार कपास और मिर्ची के उत्पादन पर आधारित फूड प्रोसेसिंग उद्योग और क्लस्टर पार्क का निर्माण करेगी.

इस योजना का उद्देश्य न केवल आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है, बल्कि स्थानीय समुदायों के बीच जागरूकता और कौशल विकास को भी बढ़ावा देना भी है, जिससे एक समृद्ध और आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र का निर्माण हो सके.

बहरहाल, जहां तक मऊगंज के मौजूदा प्रस्ताव का प्रश्न है तो यह अभिनव पहल राज्य में कृषि आधारित मॉडल स्थापित करेगी, जिसमें फसल विविधीकरण, प्रशिक्षण केंद्र, बीज इकाइयां, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयां शामिल रहेंगी, ताकि किसानों को बेहतर संसाधनों और तकनीकी सहायता प्रदान की जा सके. यह ध्यान रखना होगा कि प्रदेश का कृषि विभाग पहले से ही राज्य में फसल विविधीकरण की दिशा में प्रयास कर रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर कृषि की उत्पादकता तो बढ़ेगी ही साथ ही किसानों की आजीविका में भी सुधार होगा. उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने अनुबंध पर हस्ताक्षर करते हुए बिल्कुल सही कहा कि इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन से किसानों की आय में एक महत्वपूर्ण वृद्धि होने की संभावना है, जो उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेगी. साथ ही, इस प्रक्रिया के माध्यम से कीटनाशकों, रासायनिक उर्वरकों और अत्यधिक पानी के उपयोग पर उनकी निर्भरता कम हो जाएगी, जिससे उनकी उत्पादन लागत में कमी आएगी और वे अधिक स्थाई कृषि प्रथाओं को अपनाने में सक्षम होंगे. जाहिर है इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में कृषि क्षेत्र की समृद्धि, कृषि प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों की कौशल वृद्धि, रोजगार सृजन, सामाजिक विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा. इसी तरह का एक वृक्षारोपण मॉडल जबलपुर में नर्मदा नदी के किनारे बना हुआ है , जहां एक किसान नरसिंह रंगा ने 900 एकड़ बंजर जमीन पर अपने परिश्रम से एक निजी जंगल खड़ा कर दिया है . इस मॉडल का भी मध्य प्रदेश में विस्तार किया जा सकता है .

विंध्य की डायरी

सीईओ की धमकी और पंचायत मंत्री प्रहलाद का शर्मिंदगी नामा

डॉ. रवि तिवारी

महिला अपराध पर जहा अंकुश नही लग रहा, वहीं अब प्रशासन की कुर्सी पर बैठे लोग धमकियां देने लगे है. सिविल आचरण की सीमा और मर्यादा से बंधे लोक सेवक क्या इतने स्वतंत्र हो जायेगे कि महिला जनप्रतिनिधि को धमकी देने की हिम्मत कर सकते है ? पद की गरिमा को तार-तार करने वाले अधिकारी की हरकत से विभाग के मंत्री को भी सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा होना पड़ा. बैठे बैठाए विपक्ष को भी सरकार पर निशाना साधने का मौका मिल गया. महिला जनप्रतिनिधि हो या कोई आम महिला सम्मान की हकदार होती है. कुर्सी का नशा ऐसा भी नही होना चाहिये जैसा सीईओ साहब को हो गया. मैहर जिले के अमरपाटन जनपद पंचायत की महिला अध्यक्ष श्रीमती माया पाण्डेय को फोन पर सीईओ ओ.पी अस्थाना ने गोली मरवाने की धमकी दे डाली. मामला उस समय सामने आया जब विभाग के मुखिया पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल विंध्य के दौरे पर थे. इस मामले में उन्होने कहा कि इस विभाग का मंत्री होने के नाते 'मैं शर्मिंदा हूं'. अपनी बात को स्पष्ट कहने के आदि पंचायत मंत्री ने कहा कि एफआईआर के साथ निलंबन हुआ है और अब आगे सेवा समाप्त करने की जरूरत है. जनप्रतिनिधियो सहित आमजन लोगो के सम्मान में कोई कमी नही रहेगी.

अभ्यारण्य के लिये जन जागरूकता

सतना जिले में सरभंगा अभ्यारण्य बनाये जाने को लेकर लम्बे समय से मांग उठती रही है और अब इसके लिये घर-घर चलो अभियान के साथ जन जागरूकता के पर्चे बांटे जा रहे है. आदिवासियो को हकीकत बताई जा रही है कि अभ्यारण्य बनने से किसी को कोई नुकसान नही होगा. सरभंगा में बाघ के अलावा प्रकृति भी अटखेलिया करती है. यहा सब कुछ है जो एक अभ्यारण्य के लिये चाहिये. कुछ लोग अफवाह फैलाकर सरभंगा अभ्यारण्य का विरोध करवाना शुरू कर दिया था जबकि अभ्यारण्य से किसी को कोई नुकसान नही है. यहा विकास के साथ-साथ पर्यटको का आना-जाना शुरू होगा और क्षेत्र को एक नई पहचान मिलेगी. जन जागरूकता के माध्यम से गांव के लोगो को सही जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है.

नेताजी को दिखाया बाहर का रास्ता

सीधी के एक भाजपा नेता को युवती से छेडख़ानी करना मंहगा पड़ा. सत्ता के नशे में चूर नेताजी युवती से छेडख़ानी करने की हिमाकत कर बैठे पर उनको शायद यह पता नही था कि परिणाम उनके लिये अच्छा नही होगा. सोशल मीडिया में जमकर मामला ट्रोल हुआ और जब बात मुख्यालय तक पहुंची तो फिर क्या था नेताजी को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया. दरअसल सीधी जिले के भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह पर छेडख़ानी का आरोप लगा, जिसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया. यह बात और है कि चार-आठ महीना पार्टी से बाहर रहने के बाद फिर नये दायित्व के साथ पार्टी में वापसी हो जायेगी. फिलहाल तो बाहर कर दिये गये है. इस कृत्य से पार्टी की घोर बदनामी और छवि खराब हो रही है.

वक्फ संशोधन कानून

सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश

राजीव खण्डेलवाल

किरेन रिजिजू व मदनी का धमकी भरा बयान!

केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू का इस सुनवाई के संबंध में दिया गया बयान कि ''वह विधायिका के मामले में दखल नहीं देगा. हमें एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए''. अगर सरकार न्यायपालिका में हस्तक्षेप करती है, तो यह उचित नहीं होगा'', अवांछनीय है. वह कहीं न कहीं अप्रत्यक्ष रूप से उच्चतम न्यायालय पर दबाव बनाने का प्रयास तो नहीं है? ठीक उसी प्रकार जैसे ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत उलेमा ए हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी का यह कथन धमकी ही है कि ''यदि फैसला पक्ष में नहीं आया तो आंदोलन किया जाएगा''. शायद इसी कारण सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर कहना पड़ा कि जब उच्चतम न्यायालय में सुनवाई चालू है, तब आंदोलन करने का औचित्य क्या है? अभी उपराष्ट्रपति ने ''जज सुपर संसद की तरह काम कर रहे है'', कहकर उच्चतम न्यायालय की अनुच्छेद 142 की शक्ति पर प्रश्न उठाया है! यद्यपि संविधान में विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के कार्यक्षेत्र की पृथक-पृथक स्वतंत्र व्यवस्था की है.

''**आधा** गिलास खाली है अथवा भरा है.'' यह आपके विवेक पर निर्भर करता है कि आप आशावादी हैं या निराशावादी. शायद यही फॉर्मूला सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 जिसे संक्षिप्त में ''उम्मीद'' कहा गया, पर हुई प्रारंभिक बहस के बाद उसे ''अंतरिम आदेश तो नहीं परन्तु अंतरिम निर्देश'' कहा जा सकता है. यानी प्याला भरा भी और प्याला ख़ाली भी. एक तरफ उच्चतम न्यायालय वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 पर रोक लगाने से इनकार करता है, जो आमतौर पर सुनवाई की इस अवस्था में एक सामान्य प्रक्रिया होती है. वहीं उच्चतम न्यायालय उसी सांस में उसके कुछ प्रमुख प्रावधानों को अगली सुनवाई तक लागू करने पर अंतरिम आदेश पारित किये बिना ''प्रभावी'' रोक लगा देता है. इस प्रकार उक्त संशोधन अधिनियम को अगले आदेश तक अपंग बना देता है. यानी कि रिंद के रिंद रहे हाथ से जन्नत न ग?ई. उच्चतम न्यायालय ने निम्न मामलों में यथा स्थिति बरकरार करने की बात कही है. प्रथम कोई वक्फ संपत्ति गैर अधिसूचित (''डी नोटिफाई'') नहीं होगी. दूसरी केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्डो में धारा 9 एवं 14 के अंतर्गत कोई नई नियुक्ति नहीं होगी .

''वक्फ बाय यूजर'' को संशोधन अधिनियम 2025 में हटा दिया गया है, जिस पर ही सबसे ज्यादा आपत्ति की गई है. चूंकि संशोधन अधिनियम पर उच्चतम न्यायालय ने रोक नहीं लगाई है, इसलिए यह धारा नए अधिनियम में न होने के कारण उसके प्रभाव को आगामी आदेश तक निष्प्रभावी न होने का अंतरिम निर्देश अटॉर्नी जनरल के आश्वासन के रूप में दिया है. मतलब कोई भी संपत्ति डी नोटिफाई (गैर अधिसूचित) नहीं होगी.

सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक जो भी संसद द्वारा पारित कानून असंवैधानिक घोषित किए हैं, जैसा कि चुनावी बॉन्ड का, उनमें से किसी भी कानून को असंवैधानिक घोषित करने वाली याचिका सुनवाई हेतु स्वीकार करने के बाद सामान्यतया ऐसी याचिकाओं में पारित कानून के विरुद्ध स्थगन आदेश जारी नहीं किए हैं. इसलिए आज भी संशोधन कानून 2025 को स्थगित कर दिया जाएगा, इसकी आशा न तो किसी वकील को थी और न ही ऐसी कोई मजबूत मांग उनकी तरफ से आई.

उच्चतम न्यायालय के लंबे समय के इतिहास में शायद यह पहला मौका है, जब कोई याचिका संसद द्वारा पारित कानून को चुनौती देने के लिए प्रस्तुत की गई हो और उसकी प्राथमिक सुनवाई (सुनवाई हेतु स्वीकार किए जाने के लिए) के समय ही सुप्रीम कोर्ट याचिका की मेरिटस् पर ही तुरंत सुनवाई प्रारंभ कर देती है. जहां ऐसे समय सामान्यत: याचिका सुनवाई हेतु स्वीकार की जाकर समस्त पक्षों को जवाब देने हेतु अगली सुनवाई का नोटिस जारी करने के आदेश करती रही हैं. उच्चतम न्यायालय ने यहां अंतरिम आदेश तो नहीं, लेकिन अगली सुनवाई की तारीख तक केंद्रीय सरकार व राज्य सरकारों की तरफ से अटॉर्नी जनरल के आश्वासन को ही अंतरिम निर्देश का प्रभाव दे दिया है, जो सामान्यत: उच्चतम न्यायालय करती नहीं हैं. क्या यह आश्वासन जबरन (फोर्स्ड कंसेंट) तो नहीं है? जो उच्चतम न्यायालय के द्वारा पूर्व दिवस हुई सुनवाई के दौरान कुछ मुद्दों को लेकर अंतरिम आदेश पारित करने के स्पष्ट संकेत देने के रिस्पांस में है? यह स्थिति सुप्रीम कोर्ट के लिए ठीक नहीं है कि वह स्वयं आदेश पारित न कर मामले की एक पार्टी को कोर्ट की इच्छा के अनुरूप जबरदस्ती सहमति देनी पड़े.

चौड़ा हो बल्ला तो मचेगा हल्ला

गेंदबाजों की शिकायत जायज है! ज्यादा बड़े आकार के लंबे-चौड़े बल्ले का इस्तेमाल कर नौसिखिए बल्लेबाज भी सिक्सर मारने लगे हैं. आईपीएल का फटाफट क्रिकेट सिक्सर मारने को प्रोत्साहित करता है. ऑन ड्राइव, स्ट्रेट ड्राइव, कवर ड्राइव, लेग ग्लांस जैसे स्टाइलिश स्ट्रोक लगाने की मत सोचो, आनेवाली गेंद को कैसे भी ठोको ! सवाल बल्ले के वजन का नहीं है. पिछली सदी की तुलना में अब बैट हल्के बनने लगे हैं, लेकिन उनका आकार, सिरे की मोटाई से गेंदबाजों की चिंता बढ़ती है. इसलिए अब क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड बल्ले का गेज या आकार प्रकार नाप कर देखेगा. सिर्फ मानक या स्टैंडर्ड साइज का बल्ला मान्य किया जाएगा और इस मामले में कोई मनमानी नहीं चलेगी. सिक्सर सिर्फ बड़े बल्ले से नहीं मारा जाता. ग्राउंड छोटा हो, तो भी सिक्सर ठोकना आसान हो जाता है. इसके अलावा बल्लेबाज की सूझबूझ व भुजाओं की ताकत भी छक्का मारने में मदद देती है. पुराने जमाने में सीके नायडू अपने सिक्सर के लिए विख्यात थे और बाद में सलीम दुर्रानी यह करतब दिखाते थे. आज के युग में क्रिस गेल के सर्वाधिक छक्कों का रिकार्ड रोहित शर्मा ने तोड़ दिया है. टामस व्हाइट नामक सरे काउंटी के खिलाड़ी ने तीनों स्टंप की चौड़ाई जितना बल्ला इस्तेमाल किया था. आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज डेनिस लिली एक बार एल्युमीनियम का बल्ला लेकर मैदान में उतरे थे. बल्ले का ही जिक्र क्यों करें, गेंद ने भी तो रंग-रूप बदला है. कभी व्हाइट बॉल तो कभी पिंक बॉल उपयोग में लाया जाता है. बॉल की सीम (सिलाई) अब मशीन से होने लगी है. बल्लेबाज अपने बल्ले पर नाज करता है, लेकिन गेंदबाज अपनी गेंद से इतना प्रेम करता है कि उसे बार-बार प्यार से थूक लगाने से बाज नहीं आता.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

स्टैंडअप कॉमेडियन तो सिटिंग क्यों नहीं हंसी की फुलझड़ियां बहुत जरूरी

पड़ोसी ने हमसे कहा, चनिशानेबाज, हमें बताइए कि स्टैंडअप कॉमेडियन क्या होता है? क्या वह बैठकर कॉमेडी नहीं कर सकता? सोचिए कि यदि स्टैंडअप कॉमेडियन को चिगनगुनिया हो जाए या पैर में मोच आ जाए, तो वह कैसे खड़ा हो पाएगा? ऐसी हालत में उसकी कॉमेडी का क्या होगा?

हमने कहा, च्युराने स्कूल मास्टर किसी शरारती लड़के को डांटकर कहते थे- स्टैंडअप ऑन द बेंच. इस तरह बेंच पर देर तक खड़े रहते-रहते कुछ बच्चे स्टैंडअप कॉमेडियन बन गए. क्योंकि वह पढ़ाई को सीरियसली न लेते हुए उसे कॉमेडी समझते थे.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, स्टैंडअप कॉमेडियन बनना आसान नहीं है. यह एक परफॉर्मिंग आर्ट है. स्टैंडअप कॉमेडियन ने यदि काम की बात नहीं की, तो वह कुणाल कामरा बनकर मुसीबत में फंस जाता है. वह चाहे तो पावभाजी या पराठा खा ले, लेकिन किसी नेता की दाढ़ी, कालेचश्मे और आटोरिक्शा की पैरोडी न बनाए.

हमने कहा, कॉमेडी एक आर्ट है. पहले फिल्में कॉमेडियन के बिना बनती ही नहीं थीं. महमूद, जॉनी वाकर, राजेंद्रनाथ,

जॉनी लीवर की कॉमेडी दर्शकों का मनोरंजन करती थी. फिल्म च्यार किए जाज में महमूद और ओमप्रकाश की कॉमेडी दिलचस्प थी. उसमें महमूद अनोखे अंदाज में हॉरर स्टोरी सुनाकर ओमप्रकाश को डराता है. शोलेज में जगदीप ने सूरमा भोपाली का और असरानी ने अंग्रेजों के जमाने के जेलर का किरदार निभाया था. पड़ोसी ने कहा, चनिशानेबाज, हम लोग चलते-फिरते, नाचते गाते हास्य कलाकार की नहीं, बल्कि स्टैंडअप कामेडियन की बात कर रहे हैं. स्टैंडअप कामेडी किसी शब्द, विचार या मुहावरे से शुरू की जाती है. इसमें कुछ नया सोचना पड़ता है. घिसे-पिटे पुराने जोक्स से काम नहीं चलता. कॉमेडियन को पब्लिक से कनेक्ट करना पड़ता है. लय या रिदम बनाए रखनी पड़ती है, ताकि लोग बंधे रहें. यह लाइव परफार्मेंस होता है, जिसके लिए पहले से काफी प्रैक्टिस करनी पड़ती है. हर एक-दो वाक्य के बाद लोगों को हंसी आए, तो ठीक नहीं तो रिकार्ड की गई हंसी के फिलर्स डाल दिए जाते हैं.ज हमने कहा, राजाओं के दरबार में भी विदूषक रहा करते थे, जो अपने चुटकुलों व हरकतों से राजा का तनाव दूर कर उसे खुश करते थे. शेक्सपीयर व कालिदास के नाटकों में भी क्लाउन या कोर्ट जेस्टर हुआ करता था. राजनीति में राज नारायण और लालू यादव हंसी की फुलझड़ी छोड़ा करते थे.

शब्द-सागर: डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11878 -डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे
1. दृष्टांत, मिसाल 2. जिससे आगे या अधिक और कुछ न हो, सर्वश्रेष्ठ 3. वन में उत्पन्न होने वाला पदार्थ 5. सोने के रंग का सा 6. अपने अधिकार में लेना, नियुक्त करना, संग्रह करना, धरना 11. भारत के एक राष्ट्रपति 12. सब जगह, हर जगह 13. उत्कृष्टता, किसी चीज को ग्रहण करने के लिए उसकी योग्यता. 15. लम्बा चोगा, रूई का बड़ा कोट 16. उफान, आवेश, खौलकर ऊपर उठना 17. चिन्ह करना, चित्र बनाना 18. लट के रूप में गुथे हुए सिर के बड़े बाल 20. देने योग्य धन, दातव्य, दान, दायित्व .

बाएं से दाएं
1. उत्पात, हलचल, दंगा-फसाद 4. राक्षस, नीच प्रवृत्ति वाला पुरुष 7. पत्नी, रखने वाला, सूली, फांसी 8. सुई का वह छेद जिसमें डोरा पिरोया जाता है, ताश का एक्का, कौड़ी. 9. नाखून 10. जो किसी का गुप्त भेद या राज जानता हो 12. बरदाश्त करना, झेलना, भार वहन करना 13. उपजाऊ भूमि (सं.) 14. वह जो कृपा के योग्य हो, वह जिस पर कृपा हो 16. गरम. 17. माता, अम्मा, पार्वती (सं.) 18. जीभ, जिव्हा, भाषा 19. जब तब, कभी-कभी 21. लकड़ी भूसे आदि की दूकान 22. झरोखा, खिड़की (सं.)

Solution 11877

उ	प	नि	वे	श		गो	ग
मे	न	का		क	री	ब	
श	वा	स	न		झ	र	ना
	ड़ी		वो		ना		प
सं		च	ढ़ा	ई			तो
क	च	रा		मा	ला	मा	ल
ल		च	म	न		या	
न	फ	र	त		प्र	वी	ण

ज्योतिषाचार्य पं. नारायणशंकर नाथूराम त्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में विशेष परिश्रम करना होगा. वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग रहेगा. आर्थिक लाभ होगा. व्यर्थ वाद विवाद हो सकता है. मित्र के कारण आपको कार्यों में बाधा आ सकती है. वर्ष के मध्य में पारिवारिक परेशानी में वृद्धि होगी. यात्रासम्मान के प्रति सतर्क रहें. स्वजनों से मतभेद होगा. शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी. वर्ष के अन्त में शासन से लाभ होगा. व्यक्तित्व का विकास होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक परेशानियों में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ का योग है. व्यक्ति का सहयोग रहेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों कोमित्र के कारण बाधाओं का सामना करना होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को स्वजनों से मतभेद हो सकता है. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को धन व्यय होगा.धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा. मानसिक चिन्ता रहेगी.मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मांगलिक कार्यों में खर्च करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, स्वस्थ्य, हष्टपुष्ट एवं चंचल बुद्धिमान एवं परोपकारी होगा, रचनात्मक कार्यों में विशेष निपुण होगा, माता पिता का विशेष भक्त होगा, मित्रों की संख्या सीमित होगी, जन्म स्थान से दूर रहकर उन्नति करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

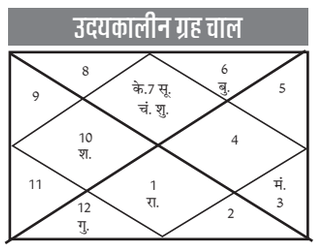

पंचांग

रा.मि. 01 संवत् 2082 वैशाख कृष्ण अष्टमीं चन्द्रवासरे दिन 1/40, उत्तराषाढ़ नक्षत्रे दिन 7/56, साध्य योगे शाम 6/44, कौलव करणे सू.उ. 5/38 सू.अ. 6/22, चन्द्रचार मकर, पर्व- श्रीशीतलाष्टमीं व्रत, शु.रा. 10,12, 1,4,5,8 अ.रा. 11,2,3,6,7,9 शुभांक- 3,5,9.

व्यापार भविष्य

वैशाख कृष्ण अष्टमीं को उत्तराषाढ़ नक्षत्र के प्रभाव से पीली, काली, रंग की वस्तुओं का जोरदार उछाल आयेगा, किन्तु आज के बने भाव घटेंगे, सफेद रंग की वस्तुओं का समावेश होगा. व्यापारी वर्ग बाजार का रूख देखकर कार्य करें. भाग्यांक 2694 है.

मेष- साझेदारी में बड़ी योजना शुरू कर सकते हैं, पुराने मित्रों से भेंटवार्ता होगी, आर्थिक मदद मिलेगी, परिश्रम अधिक करना होगा.

वृषभ- कुछ लोग आपको अंधेरे में रखकर नुकसान पहुंचा सकते हैं, अधिकारियों से मदद मिलेगी, नवीन योजनाओं में संलग्नता रहेगी, मांगलिक कार्य बनेंगे.

मिथुन- कानूनी मामलों में सावधानी से निर्णय लेने की जरूरत है, गफ्लतबाजी से बचना चाहिए, मित्र वर्ग मदद करेंगे, व्यर्थ वाद विवाद से बचें.

कर्क- बने बनाये कार्यों में अचानक व्यवधान आ सकता है, मित्रों का सहयोग रहेगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा. दिन के उत्तरार्ध में कष्ट हो सकता है.

सिंह- आर्थिक कार्यों में सफ्लता मिलेगी, जोखिम के कार्यो में रूचि रहेगी, व्यापार में उन्नति का योग है, मित्र मिलन होगा. मन में प्रसन्नता रहेगी.

कन्या- बीती बातों को याद करके निजी सम्बन्ध में कटुता बढेगी, लाभदायक अवसर मिलेगा, नये कार्य को जहां तक बने टालना हितकर रहेगा.

तुला- अटका धन मिलने के आसार हैं, सामाजिक प्रतिष्ठा, मान सम्मान मिलेगा, अनावश्यक विवादों को टालने में ही भलाई है. प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

वृश्चिक- सफ्लता के लिये कार्यों में गति बढ़ायें, जमीन जायजाद के कार्यों में सफ्लता मिलेगी, मित्रों का सहयोग रहेगा, अतिथि आगमन का योग है.

धनु- मित्रों की मदद से बिखरे कार्य समेटने में मदद मिलेगी, कार्यों में सफ्लता मिलेगी, रूका धन प्राप्त होगा, निजी पुरूषार्थ बढ़ेगा.

मकर- मित्रों की कहासुनी का मलाल रहेगा, आपकी बुद्धिमानी एवं सूझबूझ से शत्रुवर्ग परास्त होगा, कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, यात्रा एवं लाभ मिलेगा.

कुम्भ- उच्च अध्ययन पर विचार होगा, धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी, जमीन जायजाद प्रापर्टी आदि के कार्यों में सफ्लता मिलेगी, सुख शांति में वृद्धि होगी.

मीन- बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा, व्यापारिक क्षेत्र में अत्याधिक विश्वास न करें, खरीदी बिकी के कार्य में व्यस्त रहेंगे.

SUDOKU 7010

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7009

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9